Written by यशवंत
Sunday, 05 June 2011 10:31

कुछ काम अन्ना ने किया और काफी कुछ बाबा ने कर दिखाया. अन्ना ने करप्ट कांग्रेसियों पर भरोसा किया और सरकार के झांसे में आ ग□ तो नतीजा ये है कि उन्हें अब रोना पड़ रहा है, मुद्दा पीछे छूट गया और तेवर पीछे रह गया. शेष है तो सर्फिफजूल की बैठकों का दौर और बेवजह की उठापटकों की चर्चा□.

बाबा ने हुंकार भरकर सत्याग्रह शुरू किया तो सरकार □ कदफे चरणों में लोट गई. बाबा जब न माने तो बाबा को धक्का मारकर दल्लिी से बाहर भगा दिया. बाबा के अनुयायियों पर लाठियां बरसी. □ कसंत का अपमान. हजारों साधकों का अपमान. इस भारत देश में संत का ऐसा खुलेआम अपमान नहीं किया गया, उस संत का जो देश हति की बातें कर रहा है. बाबा रामदेव को जसि तरह से पुलसि वालों ने, गुप्तचर □ जेंसियों के लोगों ने नजरबंद किया वह शर्मनाक है. जैसी पटिाई श्रद्धालुओं और सत्याग्रहियों की की गई, वह लोकतंत्र का काला अध्याय है. पर यह सब अब हो ही गया है तो तय मानि□ की कांग्रेस ने अपने ताबूत में कील ठोंक ली है. देश का आम जन सांस बांधे टीवी देख रहा है. अखबार पढ़ रहा है. बाबा के अपमान को महसूस कर रहा है. सत्याग्रहियों के साथ हो रहे जुल्म को खुद पर जुल्म गनि रहा है.

वंदेमातरम और बाबा जदिाबाद जैसे नारों के बीच पटिते लोगों को देखना अंग्रेजों के दौर की याद दलिा देता है. यह जो घाव, यह जो जख्म सरकार ने ईमानदारी के साथ भ्रष्टाचार के खलिाफ लड़ाई लड़ने वालों को दिया है, वह जल्द भरेगा नहीं, वक्त का मरहम भी काम नहीं आ□. अगले लोकसभा चुनाव में अगर कांग्रेस का सूपड़ा पूरे देश से साफ नहीं हुआ तो तय मानि□ कि बाबा और उनके सत्याग्रहियों पर हु□ जुल्म का बदला नहीं लिया गया. ऐसी कांग्रेसी सरकार के खलिाफ उठ खड़े होने और इसे उखाड़ फेंकने का दौर आ चुका है. आप जहां भी हों, जसि भी स्थति में हो, बाबा और उनके लोगों पर हु□ जुल्म के खलिाफ अपना वरिोध प्रकट करें. अपने-अपने ब्लागों पर पोस्ट लखिें. ट्वटिर और फेसबुक पर ब्लैकडे मना□. आम जन के बीच कांग्रेस और उनके नेताओं के करप्शन की पोल खोलें और इनकी नदिा करें. और कुछ न करें तो कम से कम काली टीशर्ट या शर्ट पहनें.

मैं नजिी तौर पर आज के दनि को काला दविस के रूप में मना रहा हूं. इसी कारण भड़ास4मीडिया पर □ कब्लैक पट्टी लगा दी है. वरिोध जताने के लि□ ही यह पोस्ट लखि रहा हूं और फेसबुक व ट्वटिर आदि पर भी बाबा व भक्तों पर हु□ जुल्म के खलिाफ आवाज उठाऊंगा. अन्ना हजारे जदिाबाद. रामदेव जदिाबाद. भ्रष्टाचार के खलिाफ जंग जारी रहे. भ्रष्ट और नकिम्मी कांग्रेस पार्टी और इसके कर्ताधर्ता मुर्दाबाद.... दांव-पेंच में फंसाकर करप्शन के मुद्दे को डायलूट करने वाली केंद्र सरकार मुर्दाबाद...

बाबा व भक्तों पर जुल्म के खिलाफ आज ब्लैक डे मनाएं

Written by यशवंत
Sunday, 05 June 2011 10:31

यशवंत

एडिटर

भड़ास4मीडिया

bhadas4media@gmail.com

2 / 2